वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 261 गुरुवार 18 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अनोखा कार्यक्रम : 100 सिंगर एक साथ गाएंगे

जयपुर. कासं

अयोध्या में श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की अंतिम तैयारियां हो रही है। इस उत्सव का पूरे देश में जश्न मनाया जा रहा है। जयपुर भी इस उत्सव को खास बनाने में जुटा हुआ है। शहर के कई कलाकार अलग-अलग तरीके से राम उत्सव का हिस्सा बनते नजर आ रहे हैं। इस दौरान जयपुर में पहली बार ऐसा कार्यक्रम हो रहा है, जिसमें 100 सिंगर एक साथ चौपाइयां गाएंगे। वहीं, जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर 22 जनवरी को मिनी राम मंदिर का स्वरूप (प्रतिरूप) बनाकर दीपावली मनाई जाएगी। पूरे रामनिवास बाग को अयोध्या नगरी के रूप में सजाया जाएगा। शहर के कई गायकों ने श्रीराम से जुड़े गाने तैयार कर अपने यूट्यूब चैनल पर रिलीज किए हैं। दरअसल, 22 जनवरी तक कई ऐसे आयोजन होंगे, जिनमें श्रीराम की गूंज पूरे जयपुर में सुनाई देगी। 40 कलाकारों के बनाए श्रीराम के चित्रों की प्रदर्शनी जवाहर कला केन्द्र में शुरू होगी।

प्रदेश में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र अनावंटित कोटे से करे 1000 मेगावाट विद्युत का अस्थाई आवंटन: मुख्यमंत्री शर्मा

केन्द्र सरकार करेगी पूर्ण सहयोग: केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री

जयपुर. कासं

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश के ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर भी मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री का ध्यान प्रदेश में रबी सीजन के चलते बिजली की बढ़ी हुई मांग की ओर आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम (आरवीयूएन) को आवंटित परसा ईस्ट-कांता बेसिन कैप्टिव कोल माइन्स से खनन प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हो पाने के कारण प्रदेश को कोयले की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इससे आरवीयूएन की लगभग 4 हजार 340 मेगावाट क्षमता की इकाइयों में विद्युत उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री ने प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली आपूर्ति तथा किसानों को 6 घंटे प्रतिदिन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र की कोयला आधारित विद्युत इकाइयों के अनावंटित कोटे से प्रदेश को 1 हजार मेगावाट बिजली का अस्थायी आवंटन करने का आग्रह किया। केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि राजस्थान में किसानों और उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रबी के सीजन में फसलों की सिंचाई के लिए विद्युत की मांग अधिक रहती है तथा वर्तमान में लगभग प्रतिदिन 3250 लाख यूनिट से अधिक की खपत दर्ज हो चुकी है। इसलिए इस बढ़ी हुई विद्युत की मांग को पूरा करने के लिए केन्द्रीय स्तर से सरकार के लिए अतिरिक्त विद्युत आपूर्ति करना आवश्यक है। बैठक के दौरान केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल, ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता, ऊर्जा विकास निगम के एमडी एम.एम.रिणवा भी मौजूद रहे।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संजय शर्मा ने संभाला पदभार

जयपुर. कासं

वन विभाग एवं पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सचिवालय परिसर में स्थित मंत्रालय भवन में अपना पदभार संभाला। शर्मा ने विभागीय काम के बारे में जायजा लिया और उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी व कर्मचारी गण आपसी समन्वय से सभी कार्यों का निष्पादन कुशलतापूर्वक करें जिससे विभागीय योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे वंचित और पात्र वर्ग को मिलना सुनिश्चित हो। इस अवसर पर कार्यकर्ता व संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

स्वास्तिक ग्रुप द्वारा जीव दया का कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक परम श्रद्धेय स्व. प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल के 76 वें जन्मोत्सव - सेवा दिवस के अवसर पर आज दिनांक 17 जनवरी,2024 को राजस्थान जनमंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सालय, प्राकृत भारती, मालवीय नगर में जीव दया प्रोग्राम के अधीन दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक द्वारा मकर संक्रान्ति पर दुर्घटना ग्रस्त पक्षियों के इलाज व सेवा सुश्रुसा हेतु कुल 15000 रु की राशि भेंट की। इस उत्कर्ष सेवा कार्य में सराहनीय योगदान 8200 रु की राशि स्वस्तिक ग्रुप के जनसेवा एवं धार्मिक मंत्री चेतन कुमार -रेखा छाबड़ा द्वारा की गई । स्वस्तिक ग्रुप के सचिव अजीत बड़जात्या व डॉ कमल लोचन ने अपने उदबोधन में इस पुनीत पक्षी सेवा के कार्यक्रम की खूब सराहना की । चेतन कुमार ने जीव दया संस्थान से जुड़े सभी लोगों का आभार प्रदर्शित करते हुए सोशल ग्रुप के सभी दंपति सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष अमरचंद पाटनी, उपाध्यक्ष रंजु बाकलीवाल,कोषाध्यक्ष पवन ठोलिया, निदेशक अशोक जैन, संयुक्त सचिव विनय छाबड़ा, सांस्कृतिक मंत्री रंजना बोहरा, कार्यकारणी सदस्य किरण जी जैन, रोहित जैन,राजकुमार जैन,सुज्योति जी जैन के अलावा ग्रुप के अन्य दंपति सदस्यों ने गरिमामयी उपस्थिति दे कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

भारतीय संस्कृति के सबसे लोकप्रिय राम

अयोध्या में श्री राम मन्दिर की स्थापना का अर्थ है आदमी से इन्सान और इन्सान से आचरण की स्थापना..!

अयोध्या जिसे जैन धर्म और दर्शन की सनातन परम्परा प्त तीर्थंकरों की जन्म भूमि के रूप में सदियों से पूजती आ रही है, इसलिए जन जन की आराधना स्थली है। सरयू नदी का पवित्र जल सभी भक्त जनों के मन के मैल को धोकर, आत्म प्रक्षालन कर भक्त जनों के गौरव का सम्वर्धन करती है। जहाँ पाप, ताप सन्ताप रूपी शत्रु आत्मा में प्रवेश नहीं कर सकते, वह अयोध्या है। अयोध्या केवल नाम से नहीं बल्कि दुश्मनों से अजेय होने की योग्यता का नाम है। ऋषि वशिष्ठ अपनी घोर तपस्या से मान सरोवर से पवित्र नदी सरयू को यहाँ लाये, इसलिए इसे वशिष्ठी कहा जाता है, इसे रामगंगा, रामकृता, नेत्रजा नामों से भी विभूषित किया गया है। श्री राम के जन्म स्थान पर विराटत्व की आराधना के निमित्त, भव्यातिभव्य ३राम मंदिर अयोध्या३ का भारत के यशस्वी प्रधान मन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मुख्य यजमानत्व में लोकार्पण, भारतीय मानस की आस्था की वह प्रणाममय अभिव्यक्ति है जो जाति, धर्म, सम्प्रदाय की समस्त बाधाओं से परे, मनुष्यत्व के उत्कर्ष को समर्पित है। इस महा मांगलिक और ऐतिहासिक क्षण की अनुमोदना हैं।

राम-आचरण के महा काव्य हैं

श्री राम - सभ्यता, शालीनता, और संवेदनाजन्य मानवीयता के उत्कर्ष पथ पर, आरोहण की सार्वजनीन अभिव्यक्ति के धोतक हैं नाम श्री राम । जो संसार में, आदर्श मनुष्यता को संभव बनाने मानवीय अनुष्ठान का प्रतीक बन जन जन के प्रिय बन गये।

अनेक गुणों में-विशिष्ट गुणों के धाम श्री राम

श्री राम-उदार है, गुणवान है, सरल है, पवित्र है, कोमल है, दयालु है, माधुर्य से परिपूर्ण है, अविचल है, समदर्शी है, उपकारी है, पराक्रमी है, दिव्य गुणों की खान है, यानि गुणों के भण्डार है। भाईयों में ज्येष्ठ है, आचरण में श्रेष्ठ है, सबके प्रिय और सर्व हितेषी है। श्री राम को वन गमन का आदेश मिलने पर, विमाता कैकेई का सारा षड्यंत्र समझते हुये भी पिता के वचनों की रक्षा के लिये कभी भी, कहीं भी मान मयार्दा का अतिक्रमण नहीं करते हैं। पिता दशरथ या माता कैकेई के विरुद्ध एक शब्द भी नहीं कहते, क्योंकि मयार्दा उन्हें सिर्फ प्रिय ही नहीं बल्कि उनके जीवन का अभीष्ट भी था। परिवार को बचाने के लिये प्रतिबद्धता उनके चित्त में सर्वाधिक महत्व रखती है और वह मुस्कुराते हुये अपने पितृ आदेश का अनुपालन करते हैं।

-निरंतर

तीन दिवसीय वेदी शुद्धि जिनबिंब स्थापना महोत्सव का समापन

आगरा. शाबाश इंडिया। खंदारी स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर देवनगर में गणिनी आर्यिका श्री आर्षमति माताजी ससंघ के मंगल सानिध्य एवं श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट देवनगर के तत्वावधान में 15 जनवरी से तीन दिवसीय चल रहे वेदी शुद्धि जिनबिंब स्थापना महोत्सव का समापन बुधवार को विश्व शांति महायज्ञ के साथ हो गया। महोत्सव में विधानचार्य जिनेंद्र जैन शास्त्री मथुरा चौरासी के कुशल निर्देशन में भक्तों ने श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा एवं नित्यमह पूजन के साथ किया। इसके पश्चात सभी इंद्र-इंद्राणियों ने हवन में आहुति देते हुए विश्व शांति महायज्ञ की कामना कर तीन दिवसीय वेदी शुद्धि जिनबिंब स्थापना महोत्सव का समापन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गुरूमां के चरणों में श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। यहां भक्ति का वातावरण देखने को मिला। इसके बाद विधानचार्य जी के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ राजेश सेठी परिवार द्वारा भगवान चंद्रप्रभु की प्रतिमा एवं प्रशांत जैन परिवार द्वारा भगवान वासुपूज्य की प्रतिमा एवं रुपेश जैन परिवार द्वारा भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा एवं सतीशचंद जैन परिवार द्वारा भगवान आदिनाथ की प्रतिमा और चौबीसी धर्मेंद्र जैन परिवार द्वारा वेदी पर विधि विधान के साथ विराजमान कियो साथ ही गणिनी आर्यिका श्री आर्षमति माताजी ने प्रतिमाओं के कान में सूर्यमंत्र का उच्चारण किया। महोत्सव में मौजूद सभी भक्तों ने अपने हाथों में चंवर लेकर संगीतकार अनिल जैन एण्ड पार्टी के मधुर जैन भजनों पर बहुत सुंदर नृत्य किया। महोत्सव के मध्य में सभी भक्तों को गुरुमां के मंगल वाणी श्रवण करने का अवसर प्राप्त हुओ महोत्सव के समापन पर देवनगर जैन मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का तिलक एवं चंदन लगाकर स्वागत-सम्मान किया। तत्पश्चात दोपहर 2:00 बजे से गणिनी आर्यिका श्री आर्षमति माताजी ससंघ के मंगल सानिध्य में प्रथम बार नवनिर्मित चांदी के मांडले से भक्तामर दीप महाअर्चना आयोजित की गई। शामः6:00 बजे गुरूमांसंघ द्वारा आनन्दयात्रा गुरुभक्ति की गई। सायः 7:00 बजे से भक्तों ने संगीतमय 108 दीपकों से श्रीजी की महाआरती की।तीन दिवसीय महोत्सव में ज्ञानोदय महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा।इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन लोकोदय तीर्थक्षेत्र कोषाध्यक्ष एवं ट्रस्टी निर्मल मोठ्या,शिखरचन्द सिघंई, पन्नालाल बैनाड़ा,उमेश जैन,अशोक जैन,एमसी जैन,अवनी जैन,राजकुमार गुड्डू,राजू गोधा,संजू गोधा,अंकेश जैन,शुभम जैन,रजत जैन मौठ्या, विवेक जैन,समस्त सकल दिगम्बर जैन समाज ग्रेटर देवनगर, दयालबाग, सरलाबाग,पुष्पविहार के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन आगरा

पेट की गैस बदबू क्यों मारती है?

आप प्रोटीन युक्त भोजन (जैसे दाल ,मास ,अंडा) अधिक उपयोग कर रहे हैं । प्रोटीन युक्त आहार का उपयोग अधिक करने व पुरानी कब्ज रहने की स्थिति में पेट की गैस में बहुत बदबू होती है। खुले में जब प्रोटीन सड़ता है जैसे कोई मरा हुआ जानवर सड़ा हो उसमें भी इस प्रकार की ही बदबू आती है, मगर अन्य के सड़ने पर इतनी नहीं आती यही बात पेट के साथ है। आप सलाद का उपयोग करें व दूध,दाल ,मांस आदि यदि ज्यादा लेते हैं तो कम कर दें। अंतर आ जाएगा। **-डॉ पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी राजस्थान विधान सभा जयपुर।**

रोटरी क्लब जयपुर ज्वैलर्स द्वारा रक्तदान शिविर में 125 यूनिट रक्त एकत्र

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर ज्वैलर्स एवं क्रिएचर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती के उपलक्ष में गुरुद्वारा राजा पार्क में संतोकबा दुर्लभ जी ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस विशाल रक्तदान शिविर में 125 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया ।रोटरी क्लब के के एस ढिल्लों ने बताया कि आदर्श नगर थानाधिकारी कमल व जवाहर नगर थानाधिकारी राजू राम ने रक्तदान कर युवाओं को रक्त देने के लिए प्रोत्साहित किया।इस रक्तदान शिविर में शहर के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहें।

भगवान महावीर स्वामी के 2550वे वर्ष के उपलक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

कुल तीन लाख इक्यावन हजार रुपये के दिए जाएंगे पुरस्कार, प्रतियोगिता में सभी जाति, धर्म के प्रतियोगी ले सकेंगे भाग

ललितपुर. शाबाश इंडिया। धर्म जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाण महोत्सव वर्ष के अवसर पर, आचार्य आदिसागर अंकलिकर जागृति मंच इंटरनेशनल ने एक अनूठी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता और महत्व को जागरूक करना है। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ राजेश शास्त्री व परामर्श मण्डल में शामिल डॉ सुनील संचय ने बताया कि इस प्रतियोगिता में किसी भी जाति, धर्म, या समुदाय के लोग भाग ले सकते हैं, और निबंध किसी भी भारतीय या विदेशी भाषा में लिखे जा सकते हैं। निबंध का मुख्य विषय है- भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता। निबंध जमा करने की अंतिम तिथि 21 अप्रैल, 2024 है। पुरस्कार 13 से 21 वर्ष, 21 से 40 वर्ष और 40 वर्ष से ऊपर की तीन श्रेणियों में 21,000 रुपये से 51,000 रुपये तक कुल 351000 के हैं।

एनएसपी स्कूल में मनाया गया गुरु गोबिंद सिंह जयंती पर्व

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। द साइंस एकेडमी के एनएसपी स्कूल में आज गुरु गोबिंद सिंह जयंती पर्व मनाया गया इस मौके पर सभी बच्चों को बताया गया की गुरु गोबिंद सिंह सिखों के दसवें और आखिरी गुरु हैं, जिन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की थी। गुरु गोबिंद ने ही सिखों को पंच ककार धारण करने के लिए कहा था, जिसमें केश, कृपाण, कंघा, कड़ा और कच्छा शामिल है । इस मौके पर सभी विद्यार्थियों ने प्रार्थना में गुरु वाणी बोलकर गुरु गोविंद सिंह जी को याद किया और इस मौके पर प्रिंसिपल रेणु मुद्गल मैम ने विद्यार्थियों को बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी का कहना था कि इंसान से प्यार ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है। गुरु गोविंद सिंह जी ने कहा है कि असहाय को सताने वाले का खून परमात्मा बहाता है। प्रकाश पर्व के अवसर पर विद्यार्थियों को गुरुद्वारा ले जाया गया वहां विद्यार्थियों ने अरदास की गुरबाणी सुनी और लंगर का प्रसाद लिया।

रामलला प्राण प्रतिष्ठाः प्रताप गौरव केन्द्र में होगा अखण्ड रामचरित मानस पाठ

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के मंगल अवसर पर लेकसिटी के प्रताप गौरव केन्द्र राष्ट्रीय तीर्थ में रामचरित मानस का अखण्ड पाठ होगा। इस दौरान गौरव केन्द्र परिसर को सजाया जाएगा। साथ ही 5100 दीयों की दीपमालिका संग आतिशबाजी भी की जाएगी। दो दिन तक होने वाले इस आयोजन में आकर्षण का केन्द्र दीयों से बना राम मंदिर का प्रतिरूप होगा। केन्द्र निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन 21 जनवरी को केन्द्र परिसर में स्थित भक्तिधाम में सुबह 9 बजे रामचरित मानस का अखण्ड पाठ शुरू होगा। इसमें केन्द्र से जुड़े सदस्यों सहित समीपवर्ती क्षेत्रवासियों की टोली शामिल रहेगी। यह अखण्ड पाठ 22 जनवरी सुबह 9 बजे तक चलेगा। अखण्ड पाठ की पूर्णाहुति के साथ भजन-कीर्तन शुरू होंगे जो 11 बजे तक चलेंगे। इसके बाद 11 से एक बजे तक अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को बड़ी स्क्रीन पर देखने की व्यवस्था रहेगी। प्राण प्रतिष्ठा पूर्ण होने पर भक्तिधाम में महाआरती और महाप्रसाद वितरित किया जाएगा। इस अवसर पर भक्तिधाम में विराजित आराध्यों के समक्ष 51 किलो लड्डू का भोग धराया जाएगा। सक्सेना ने बताया कि दोनों ही दिन गौरव केन्द्र में कला के अनूठे उदाहरण के रूप में दीयों से राम मंदिर का

प्रतिरूप बनाया जाएगा और दीयों से जय श्रीराम भी लिखा जाएगा।

26 से 28 तक रहेगी शुल्क में छूट

प्रताप गौरव केन्द्र निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में 26 जनवरी से 28 जनवरी तक तीन दिन गौरव केन्द्र के दर्शन शुल्क में छूट रहेगी। ऐसे में गौरव केन्द्र के दर्शन 50 रुपये में किए जा सकेंगे।

रिपोर्ट/फोटो : योवंतराज माहेश्वरी

वेद ज्ञान

वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का दायरा सीमित हो रहा

मनुष्य अपने और जिन्हें अपना मानता है, उनके साथ अपनी सारी भावनाएं जोड़ देता है। वह अपने लिए एक सुविधाजनक दायरा बना लेता है। जीवन भर वह इस दायरे में रहकर सुख या दुख का अनुभव करता रहता है। इससे उसके सुख और दुख के अवसर संकुचित हो जाते हैं। उसने अपने जीवन के मानदंड भी संकुचित कर लिए हैं। संतान, धन, पद, संपत्ति और शक्ति के अर्जन को वह खुशी के कारण मानता है। इनके चले जाने से वह दुखी होता है। उसकी सारी आशाएं इसी के इर्दगिर्द घूमती रहती हैं। वह अपनी मेहनत अपने भाग्य से जो चाहता है, उसे पाने में सफल रहता है। उसके पास सब कुछ होता है, फिर भी वह असंतुष्ट और खिन्न रहता है। ऐसा संसार में अधिकांश लोगों के साथ हो रहा है। संस्कृति और मूल्य बदल रहे हैं, किंतु दोष उनका नहीं। जीवात्मा तो वही है, जो सृष्टि के आरंभ से ही विभिन्न रूपों में जन्म लेकर संसार में आ-जा रही है। उसके मूल गुण नहीं बदल सकते। संकट उन गुणों को भुला दिए जाने का है। मनुष्य ने अन्य के साथ मनुष्य के नाते व्यवहार करना छोड़ दिया है। व्यवहार के कई स्तर बना लिए। आज व्यक्ति अपनी पत्नी व संतान के लिए कर सकता है वैसा परिजनों और संबंधियों के लिए भी नहीं करता। इसके बाद जो स्थान बचता है, वह मित्रों, परिचितों के लिए होता है। उसका धीरे-धीरे अन्य के प्रति अनुदार और उदासीन होते जाना मानव सभ्यता के लिए बड़ी चेतावनी है। कभी गांव और नगर के साथ स्वयं को जोड़ा जाता था। देश और समाज के प्रति प्रेम व चिंता होती थी। अब वह अनुभूतियां लुप्त हो गई हैं। अपने नगर और गांव की सुधि लेने का समय नहीं है। दायरों में सिमटे हुए लोग खुशियों को तरसते हैं। जीवन का सच्चा आनंद अपनी बनाई परिभाषाएं तोड़ कर ही मिलेगा। ईश्वर ने संसार में खुश और संतुष्ट रहने के अनंत कारण उत्पन्न किए हैं। प्रति क्षण संसार में कुछ न कुछ सुंदर घटित हो रहा है। सवाल स्वयं को उससे जोड़ने का है। इसके लिए परमात्मा का अंश होने की संवेदनशीलता होनी चाहिए। सारे जीव परमात्मा का ही अंश है, इसलिए यह अनुभूति उसे एक व्यापक परिवार का अंग बनाती है।

संपादकीय

यात्रियों की बेसब्री से जोखिम में हवाई यात्रा

पिछले कुछ समय से विमानों में यात्रियों के दुर्व्यवहार की बढ़ती घटनाएं निश्चित रूप से चिंता का कारण हैं। इसके मद्देनजर यात्रा के दौरान लोगों के मर्यादित व्यवहार के लिए नियम-कायदों की अहमियत समझी जा सकती है। हालांकि विमान सेवाओं के प्रबंधन में भी कई स्तरों पर सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है। किसी भी विमान में उड़ान के पहले या उसके दौरान किसी यात्री के उग्र हो उठने को उचित नहीं ठहराया जा सकता, इसके

लिए नियमों के मुताबिक कार्रवाई भी होती है, लेकिन अगर इसकी जड़ में कोई ऐसी परिस्थितिगत या फिर प्रबंधन से जुड़ी समस्या है, तो उस पर गौर करना सेवाओं में बेहतरी के लिहाज से जरूरी हो सकता है। दिल्ली हवाई अड्डे पर गोवा जाने वाले एक विमान की उड़ान में करीब तेरह घंटे की देरी होने की वजह से एक यात्री ने आक्रोश में आकर चालक दल के एक सदस्य से मारपीट कर दी। किसी भी हालत में यात्री का ऐसा व्यवहार स्वीकार्य नहीं हो सकता, लेकिन सवाल है कि क्या परिस्थिति को देखते हुए ऐसे उपाय किए जा सकते हैं, जिससे ऐसे हालात ही पैदा न हों! पिछले कुछ दिनों से कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की वजह से सड़क, रेल और हवाई मार्गों पर यात्रा में देरी एक सामान्य स्थिति हो चुकी है। विमानों की सुरक्षित उड़ान बहुत कुछ मौसम की स्थिति पर निर्भर होती है और इस मामले में मामूली लापरवाही भी बड़ा खतरा पैदा कर सकती है। उड़ान से जुड़े संचालकों से लेकर चालक दल के सभी सदस्यों के ऊपर विमान को सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचाने का दायित्व होता है। ऐसी स्थिति में उनके साथ अगर असहज करने वाली स्थितियां उत्पन्न होती हैं, तो इसका असर उनके काम पर पड़ने की आशंका होती है। दूसरे, मौसम में गड़बड़ी आदि अप्रत्याशित कारणों से किसी जोखिम के बीच विमान संचालन के समय में फेरबदल का फैसला वक्त की जरूरत होती है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसलिए विमान में सफर कर रहे लोगों को संयम और धीरज से काम लेना चाहिए। इस लिहाज से विमान में पायलट से मारपीट करने वाले यात्री के व्यवहार के लिए कानून के मुताबिक उस पर कार्रवाई स्वाभाविक है। मगर उड़ान में ज्यादा देरी की स्थिति में प्रबंधन के स्तर पर क्या कुछ ऐसा किया जा सकता था कि यात्रियों के भीतर अपनी सुरक्षित यात्रा को लेकर सब्र कायम रहे? खबरों के मुताबिक, आरोपी यात्री को यह कहते सुना गया कि वह विमान में लंबे समय से बैठा है और उड़ान फिलहाल मुमकिन नहीं है तो उसे जाने की अनुमति मिलनी चाहिए। विमान की संवेदनशील बनावट और उड़ान के जोखिम के मद्देनजर यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से इस तरह की इजाजत देना शायद मुश्किल हो, लेकिन आज इतना तकनीकी विकास हो चुका है कि मौसम की स्थिति के बारे में कई घंटे या एक-दो दिन पहले भी अनुमान लगाए जा सकते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

स्टार्टअप और नवाचार

मोदी सरकार के बीते साढ़े नौ साल के कार्यकाल के दौरान भारत ने बदलाव का एक निर्णायक दौर देखा है। देश की राजनीतिक संस्कृति में, शासन-व्यवस्था और अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ-साथ अपनी संस्कृति और विरासत को संजोने व सहेजने के विश्वास में बदलाव आया है। भारत दुनिया की पांच सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह में शामिल हो गया है। पहले जहां अर्थव्यवस्था पर कुछ समूहों का कब्जा था, आज अनेक स्टार्टअप और छोटे-छोटे उद्यमी देश के आर्थिक विकास में भागीदारी निभा रहे हैं। वर्ष 2014 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में डिजिटल अर्थव्यवस्था की हिस्सेदारी महज चार से पांच फीसदी थी, मगर आज वह 11 फीसदी से भी अधिक हो गई है और 2026 तक यह हिस्सेदारी जीडीपी में 20 फीसदी तक हो सकती है। साल 2012 में मैंने संसद में एक रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें बताया था कि भारतीय बैंकिंग सिस्टम नेटवर्थ का करीब 98 फीसदी कर्ज देश के सिर्फ नौ कारोबारी घरानों को दिया गया है। जाहिर है, उस समय नए उद्यमियों के लिए पूंजी की कोई गुंजाइश न थी, क्योंकि वह व्यवस्था चंद लोगों के लिए थी। अर्थव्यवस्था पर गैर-निष्पादित परिसंपत्ति, यानी एनपीए का बोझ भी बढ़ रहा था। यूपीए के शासनकाल में उद्यमिता व नवाचार के अवसर समाप्त हो चुके थे। महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए प्रतिकूल माहौल था। मगर आज हम गर्व से कह सकते हैं कि नए उद्यमियों/ स्टार्टअप और देश के युवाओं ने भारत को दुनिया के सबसे जीवंत और सबसे तेजी से विस्तार करने वाले नवाचारी पारिस्थितिकी तंत्र में बदल दिया है। डायरेक्ट टु कंज्यूमर, कंज्यूमर इंटरनेट, इंडिया डीपीआई और सॉफ्टवेयर एज ए सर्विसके क्षेत्र में भारतीय स्टार्टअप ने रिकॉर्ड निवेश आकर्षित किया है। आज देश में एक लाख से भी अधिक स्टार्टअप और 111 यूनिकॉर्न बन गए हैं। ये युवा देश के कोने-कोने से निकलकर आ रहे हैं और हमारी अर्थव्यवस्था व व्यापारिक परिदृश्य को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है कि प्रौद्योगिकी उत्कर्ष के आगामी दशक, यानी इंडियाटेकेड को देश के युवा आकार देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में नव-प्रवर्तन के जो बीज बोए थे, उसके पल्लवित-पुष्पित होने और फल मिलने का दौर आगे जारी रहेगा। इसलिए, बदलाव की अगली लहर का आना अभी बाकी है। इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए उनकी दूरदर्शी पीएलआई योजना से लेकर सेमीकंडक्टर नीतियों तक, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम, एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में अवसरों की अगली लहर को जारी रखने के लिए भारतीय नवाचार इको-सिस्टम को प्राथमिकता दी जा रही है। आज भारत के प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में काफी बदलाव दिख रहा है। जैसे-जैसे तेजी से उभरती नई प्रौद्योगिकियां टेक के परिदृश्य को फिर से परिभाषित कर रही हैं, बदलाव का नया दौर देखने को मिल रहा है, जहां आईपी/ डिस्कवरी/ प्रोडक्ट्स/ डिवाइसेस लक्षित अवसर हैं। सेमीकॉनइंडिया फ्यूचरडिजाइन से उन स्टार्टअप को प्रोत्साहन मिल रहा है, जो अगली पीढ़ी के सेमीकंडक्टर चिप्स डिजाइन कर रहे । डिजिटलइंडिया फ्यूचर लैब्स इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल उत्पाद डिजाइन को स्टार्टअप्स के लिए एक अन्य क्षेत्र के रूप में सक्षम बनाएगा।

आशीर्वाद आई हॉस्पिटल का शुभारंभ विधायक द्वारा किया गया

मरीजों को हर तरह की मिलेगी सुविधा

चाकसू. शाबाश इंडिया। चाकसू टोंक रोड रामपुरा चौराहे पर बुधवार को आशीर्वाद आई हॉस्पिटल का शुभारंभ चाकसू विधायक रामावतार बैरवा द्वारा रिबिन काटकर किया गया। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामवतार बैरवा, व विशिष्ट अतिथि चाकसू प्रधान उगन्ता चौधरी, प्रधान कोटखावदा प्रहलाद मीणा, चाकसू सरपंच अध्यक्ष कन्हैया लाल बागड़ा रहें। इस दौरान कार्यक्रम में विधायक रामावतार बैरवा ने आशीर्वाद आई हॉस्पिटल के निदेशक डॉक्टर आशीष गोयल को धन्यवाद दिया। विधायक ने कहा कि पहले मरीज को निशुल्क इलाज के लिए जयपुर जाना पड़ता था अब मरीजों को इलाज के लिए चाकसू कस्बे में सुविधा उपलब्ध होगी गई। इस दौरान आशीर्वाद आई हॉस्पिटल के मार्केटिंग मैनेजर रवि प्रकाश शर्मा ने विधायक और आए हुए विशिष्ट अतिथियों का धन्यवाद दिया ज्ञापित किया। इस दौरान मौके पर पार्षद दिनेश शर्मा, पार्षद भवानी लोधा, पार्षद भैरूराम चौधरी, सरपंच शिवरानी लोधा, चेयरमैन प्रत्याशी विनोद राजोरिया, गौसेवक महेश शर्मा, सुनिल तिवाड़ी, बद्री चौधरी, प्रभु नारायण, गिर्राज ढुगरी, लालाराम सैनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

झिलाय मे शांतिनाथ मण्डल विधान मे उमड़े श्रद्धालु

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। महावीर निर्वाण महोत्सव शताब्दी वर्ष के चलते आचार्य पदमनन्दी महाराज के आशीर्वाद से झिलाय के श्रद्धालुओं द्वारा श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मे गाजेबाजे के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान आयोजित किया गया जिसमें विधानाचार्य रजनीश जैन शास्त्री के मंत्रोच्चार द्वारा सोधर्म इन्द्र प्रहलाद नारायण अनन्त जैन मित्तल के परिवार जन सहित सभी इन्द्रो ने भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक एवं विश्व में शांति की कामना के लिए शांतिधारा की। विधान कार्यक्रम के तहत जैन समाज के गायक विमल जौंला एवं गायक विमल बड़ागांव ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। इस दौरान जयकारों के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान का शुभारंभ किया गया। विधान मे भगवान पार्श्वनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलन राकेश मित्तल अनन्त जैन एवं हंसराज जैन टोडारायसिंह ने किया इसके बाद नवदेवता पूजा पार्श्वनाथ जिन पूजा के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान की पूजा अर्चना भक्ति भाव से की गई। कार्यक्रम में मीना जैन ललिता जैन प्रिया जैन एवं हेमलता जैन ने मंगलाचरण किया। विमल जौंला ने बताया कि विधान में गाजे बाजे के साथ श्रद्धालुओं ने चार वलय में 130 श्री फल अर्ध्य समर्पित किए।

अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ के आगमन पर भव्य अगवानी

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। न्यू हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर स्थित श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण पर अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ के आगमन पर समाज द्वारा भव्य अगवानी की। प्रतिमाओं पर अभिषेक व शांतिधारा करने के उपरांत प्रतिष्ठाचार्य सत्येंद्र जैन का समाज द्वारा सम्मान किया गया। सत्येंद्र जैन ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र के मंदिर निर्माण सहित कई योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस उपरांत प्रमुख पात्रों का चयन में राकेश- हिमांशु पाटनी एवं पदमचंद काला सौधर्म इंद्र, अनिल-श्रीमती अरुणा बज धन कुबेर बने। श्रीमती मनोरमा देवी- विनोद- कमलेश ढग परिवार ने आरती की। त्रिशला महिला मंडल एवं श्री ज्ञानवान महिला मंडल परिवार ने प्रथम पालना झुलाने का सौभाग्य प्राप्त किया। गोपी लाल- विवेक- सिद्धार्थ पेमावत परिवार ने स्वर्ण शीला, बुद्धि चंद-महावीर बडजात्या परिवार ने रजत शीला एव 53 परिवारजनों ने ताम्र शिलाऐ अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में नवनिर्माण कार्य में रखने का लाभ लिया। सभी इंद्र-इंद्राणिया का तिलक लगा कर, माल्यार्पण दुपट्टा पहनाकर कर अभिनंदन किया गया। प्रमुख पात्र अयोध्या तीर्थ प्रभाव रथ में विराजमान हुए। सौधर्म ने मांगलिक क्रियाएं करी। धन कुबेर ने रत्नों की वृष्टि करी। प्रमुख पात्रों ने मंगल आरती एवं प्रथम पालना झुलाया। इस उपरांत बैंड बाजा की मधुर धुन में जुलूस मुख्य मार्गो से गुजरते हुए पुनः मंदिर प्रांगण पर पहुंचा। अध्यक्ष राकेश पाटनी एवं सचिव निर्मल सरावगी ने सभी के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

अ.भा. दिगंबर जैन महिला परिषद का संभागीय सम्मेलन संपन्न हुआ

इंदौर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद अंजना संभाग का संभागीय सम्मेलन आज जाल सभागृह में प्रभा गंगवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें संभाग की सभी सात शाखाओं की पदाधिकारी एवं महिला सदस्य उपस्थिति रहीं। मुख्य अतिथि परिषद की केंद्रीय अध्यक्ष निर्मला- पीसी जैन, सचिव प्रभा जैन, एवं कोषाध्यक्ष सरला सामरिया थीं एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांतीय अध्यक्ष विजय लक्ष्मी, सचिव निशा जैन एवं मीना जैन जबलपुर विशेष अतिथि के रूप में उपस्तिथ थी। संभागीय अध्यक्ष प्रभा गंगवाल ने अपने अध्यक्षीय एवं स्वागत संबोधन में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि संभाग की सभी शाखाएं जिनधर्म प्रभावना में, धार्मिक, सामाजिक ,स्वास्थ्य एवं शिक्षा सहायता और समाज हित के कार्य करते हुए अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करती रहती हैं। सम्मेलन में सभी शाखाओं के अध्यक्षों ने अपने दो वर्षीय कार्यकाल में किए गए समाजहित एवं लोक कल्याण के कार्यों और गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। शाखाओं द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्यों के लिए प्रांतीय संभाग अध्यक्ष द्वारा ,पुष्पा काला अध्यक्ष मुख्य इंदौर शाखा, समता सोधिया अध्यक्ष छत्रपति नगर, अनीता जैन अध्यक्ष उदय नगर, माधुरी मालवीय अध्यक्ष विजयनगर, आंचल जैन अध्यक्ष तिलक नगर शाखा एवं साधना जैन अध्यक्ष (हरदा शाखा) को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रारंभ में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद अतिथि स्वागत श्रीमती प्रभा गंगवाल, मुक्ता जैन एवं कल्पना बंडी ने किया। सम्मेलन में केंद्रीय संरक्षकों का सम्मान, धार्मिक तंबोला, संदेश के साथ पतंग सजाओ प्रतियोगिता एवं लकी ड्रा आदि मनोरंजक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये एवं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

कालांवाली, गांव देशू मलकाना, कोठा सैनपाल व बचैर पहुंची विकसित भारत संकल्प जनसंवाद यात्रा

लाभार्थियों ने मौके पर ही उठाया योजनाओं का लाभ, विभागीय स्टॉलों पर ली सरकार की योजनाओं की जानकारी

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। विकसित भारत संकल्प यात्रा मंगलवार को नगरपालिका कालांवाली, गांव देशू मलकाना, कोठा सैनपाल व बचैर गांव में पहुंची। यात्रा के तहत प्रशासन की ओर से विभागीय स्टॉलें लगाई गई, जहां पर लाभार्थियों ने सरकार की योजनाओं का मौके पर ही लाभ उठाया। इसके साथ ही लाभार्थियों ने योजनाओं से मिले लाभ के अनुभव भी सांझा किए और दूसरों को भी सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। मंगलवार को यात्रा के पहुंचने पर नगरपालिका कालांवाली व गांव देशू मलकाना में पूर्व विधायक बलकौर सिंह, गांव बचेर व सैनपाल का कोठा में औमप्रकाश झोरड़ पूर्व मंडल अध्यक्ष ने बतौर मुख्य अतिथि यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज भी उपस्थित रहे। इस दौरान गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य अतिथियों ने ग्रामीणों को विकसित भारत की शपथ दिलाई। पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य ध्येय अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना व योजनाओं की जानकारी को जन-जन तक पहुंचाना है। यात्रा अपने इस उद्देश्य में सफल रही है और लाभार्थियों ने इस यात्रा का लाभ उठाया है। पात्रों को उनके घर द्वार पर ही योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

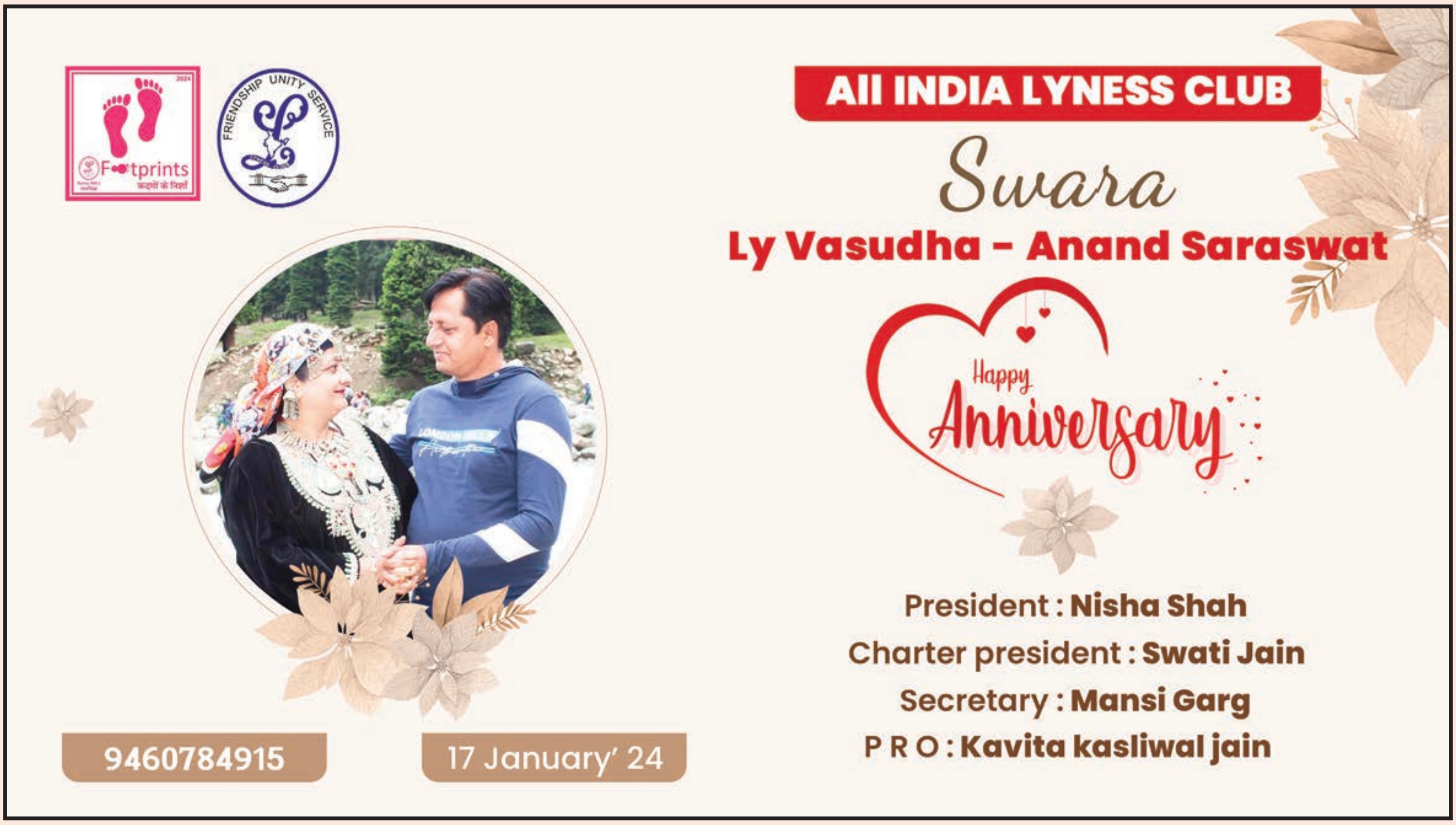

महावीर इंटरनेशनल रॉयल ने बांटे बच्चों को स्वेटर

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। गड्डी थोरियान स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में महावीर इंटरनेशनल रॉयल के सदस्य जितेन्द्र एवं राजलक्ष्मी धारीवाल के वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर धारीवाल परिवार के सौजन्य से महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर के तत्वाधान में छात्र छात्राओं को स्वेटर वितरण का कार्यक्रम रखा गया। सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज अतिथियों ने किया। संस्था अध्यक्ष अशोक पालडेचा ने जानकारी देते हुए बताया कि हर जरूरतमंद की सेवा में धारीवाल परिवार हर समय तत्पर रहता है । वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर जो पुनीत कार्य किया इस तरह किसी की मदद कर के अपने जन्मदिन वैवाहिक वर्षगांठ मनानी चाहिए । सचिव रूपेश कोठारी ने उपस्थित छात्र छात्राओं से कहा कि कोई भी कार्य मुश्किल नही होता उसको करने की इच्छा शक्ति मन में होनी चाहिए महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन में सफलता हासिल कर देश व समाज की कीर्ति को आगे बढ़ाना चाहिए। कोषाध्यक्ष अभिषेक नाहटा ने पुनीत कार्य हेतु भामाशाह धारीवाल परिवार का आभार प्रकट किया। संस्था प्रधानाध्यापक सत्यनारायण ग्वाला एवं श्यामा जैन ने बताया कि रॉयल द्वारा निरंतर में सामाजिक सरोकार के उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं।

आचार्य सौरभ सागर जी के सानिध्य में जनकपुरी में हुआ सम्मेद शिखर विधान

विधान के काव्यों का अर्थ समझते हुए भक्ति भाव से चढ़ाये गये अर्घ्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मन्दिर में बुधवार को आचार्य सौरभ सागर महाराज के पावन सानिध्य में भक्ति भाव के साथ संगीतमय सम्मेद शिखर विधान का आयोजन हुआ। विधान के लिए चावलों से नयनाभिराम मण्डल जनकपुरी की अंजू बाकलीवाल, अनिता बिदायक्य व सुलोचना पाटनी द्वारा तैयार किया गया था। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि भगवान नेमिनाथ के जिन बिम्ब को पाण्डुकशीला पर विराजमान कर अभिषेक तथा विश्व शांति हेतु रिद्धि मन्त्रों के साथ शान्तिधारा की गयी। शान्तिधारा का सोभाग्य सरदारमल रमेश काला परिवार को प्राप्त हुआ । मण्डल पर श्रविकाओं द्वारा चतुष्कोणीय मंगल कलश स्थापित किए गए तथा मयंक सुलोचना पाटनी द्वारा अखण्ड ज्योति प्रज्वलित की गई। नित्य पूजन के बाद आचार्य श्री के द्वारा स्व रचित विधान के काव्यों का भक्त जनों ने तल्लीनता से अर्थ समझते हुए मण्डल पर भक्ति के साथ श्रीफल सहित अर्घ्य समर्पित किए गए। विधान पण्डित वीरेंद्र शास्त्री द्वारा संगीतकार जीतू गंगवाल के साथ सानन्द संपन्न कराया जिसमे समाज के सैंकड़ों भक्तों की सहभागिता रही।

“कौन बनेगा गुरसिख बच्चा? प्रतियोगिता में 200 बच्चों ने भाग लिया”

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को समर्पित ओपन किंडर केयर गुरमत क्विज का आयोजन केबीजीबी संस्था द्वारा राजापार्क गुरुद्वारे में हुआ। जिसमें बच्चों को पहले से ही प्रश्नों के उत्तर स्टैंडी पर लिख कर आऊट कर दिए थे। उन्हे पढ़ने के बाद याद करना था और हॉट सीट पर बैठ कर बॉक्स में से प्रश्नों की तीन पर्चियां निकालनी थी। और अपनी याददाश्त पर जोर डालकर उत्तर देना होता था। हर सही जवाब पर 20 रुपए का गिफ्ट था। जो बढ़ कर अधितकम तीन बार मल्टीप्लाय होते हुवे उसे अतिरिक्त 50रु वाले गिफ्ट का भी अधिकारी बनाता था।अध्यक्ष ओंकार सिंह ने बताया कि इस इंस्टेंट क्विज में बच्चों को अपने लक और याददाश्त के मिश्रण से खेल खेल में सिख इतिहास और गुरबाणी को जानने का मौका मिला। बच्चों ने हॉट सीट पर बैठ सेंकड़ों रुपयों के इनाम जीते। प्रश्नों के उतर आउट होने से इस इंस्टेंट गुरमत क्विज में ज्ञान, मनोरंजन और इनाम का बच्चों ने बहुत लुफ्त उठाया।

कुण्डलपुर में श्री बड़े बाबा उच्चासन दिवस धूमधाम से मनाया गया

रत्नेश जैन/राजेश रागी बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

कुण्डलपुर, दमोह। सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में श्री बड़े बाबा उच्चासन दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दिन परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का स्वप्न साकार हुआ था ।17 जनवरी 2006 को पूज्य बड़े बाबा गगन विहार करते हुए पुराने मंदिर से नए मंदिर में उच्चासन पर विराजित हुए ।हजारों हजार लोगों ने इस पावन दृश्य को देखा। 18 वर्ष पूर्ण होने पर इस अवसर पर उच्चासन दिवस पर प्रातः भक्तांमर महामंडल विधान, शांतिनाथ महामंडल विधान, पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक, शांति धारा, पूजन , श्री आदिनाथ बड़े बाबा महामंडल विधान का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रथम कलश, शांति धारा ,रिद्धि कलश करने का सौभाग्य मनोज विनोद सीमा कमलाबाई विजय पवन परिवार दमोह, रवि खुशबू अमित अवनी गोधा परिवार जयपुर ,अनीता नितिन सुरभि निखिल जैन परिवार हैदराबाद, रमेश डाली अनुषा अंकुश जैन भेड़ा वाले परिवार दमोह को प्राप्त हुआ। दोपहर में मिष्ठान वितरण किया गया सायंकाल भक्तांमर दीप अर्चना एवं पूज्य बड़े बाबा की संगीतमय महाआरती हुई।

संबंधों के ताले को क्रोध के हथोड़े से नहीं, प्रेम की चाबी से खोलें : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन के माध्यम से जनसमूह को प्रेरित करते हुए कहा कि अच्छे व्यक्ति को समझने के लिए अच्छा ह्रदय चाहिये न कि अच्छा दिमाग क्योंकि दिमाग हमेशा तर्क करेगा और ह्रदय हमेशा प्रेम भाव देखेगा। प्रेमभाव ऐसा बंधन है ना कोई डोर दिखती है ना कोई धागा दिखता है। वो जाने कौन सा बंधन है जिसने रिश्तों को बांधा है। संबंधों के ताले को क्रोध के हथोड़े से नहीं, प्रेम की चाबी से खोले क्यों कि चाबी से खुला ताला बार-बार काम आता है और हथौड़े से खुला ताला केवल एक बार काम आता है। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) की पावन धरा पर नवनिर्मित श्री 1008 शांतिनाथ चैत्यालय में व्रतियों द्वारा प्रतिदिन अभिषेक -पूजन का क्रम बना हुआ है । पूज्य माताजी के मुखारविंद से शान्तिधारा सम्पन्न हुई। तदुपरांत माताजी की आहारचर्या कराने का सौभाग्य संजू ललवाडी, विमल पहाडी, शिमला मोटूका एवं पारस चैनपुरा वाले निवाई वालों ने प्राप्त कर अक्षय पुण्य का संचय किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर ‘शाबाश इंडिया’ आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com